प्रेस विज्ञप्ति

नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला, 2015

17 फरवरी, 2015

पुस्तक मेले में दर्शकों की भारी भीड़

मेले के चौथे दिन भी मेले में पुस्तक प्रेमियों की भारी भीड़ देखने को मिली। सुबह से बच्चों, उनके अध्यापकों और अभिभावकों की भारी भीड़ देखकर इस बात के प्रति आश्वस्त हुआ जा सकता है कि आज भी पुस्तकों के प्रति लोगों में आकर्षण खत्म नहीं हुआ है । पुस्तकों की चाहे कितनी ही नई तकनीकें क्यों न विकसित हो जाएँ, मुद्रित पुस्तकों का रोमांच सदैव बना रहेगा ।

अनुवाद पर संगोष्ठी

आज प्रगति मैदान के हॉल नं. 8 में राष्ट्रीय पुस्तक न्यास तथा अनुवाद केंद्र, सैंट स्टीफन कॉलेज द्वारा अनुवाद पर आधारित संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसका उद्घाटन, एनबीटी के अध्यक्ष, श्री ए. सेतुमाधवन द्वारा किया गया। उन्होंने इस अवसर पर कहा ''भाषा की कोई सीमा नहीं होती है अतः अनुवाद में भी कोई सीमा नहीं होनी चाहिए।'' उन्होंने यह भी कहा कि अनुवाद साहित्यिक आदान–प्रदान तथा विभिन्न क्षेत्रों व भाषाओं के लोगों को समीप लाने का कार्य करता है। इस सत्र की अध्यक्षता, सेंट स्टीफन कॉलेज के प्रधानाचार्य, डॉ. वल्सन थांपू ने की। इस अवसर पर वक्ताओं के रूप में प्रसिद्ध लेखक, श्री के. सच्चिदानंदन; असमिया लेखक, सुश्री मित्रा फूकन तथा समन्वयक, सेंटर फॉर स्टडीज़, सेंट स्टीफन कॉलेज, श्री एन.पी. एशले उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में अनुवाद एवं भारतीय विचारधारा' पर चर्चा आयोजित की गई।

हॉल नं. 8 में आईबीएन के पूर्व संपादक व आम आदमी पार्टी के नेता, श्री आशुतोष की पुस्तक ''मुखौटों का राजधर्म'' (वाणी प्रकाशन द्वारा प्रकाशित) का लोकार्पण हुआ। जिसमें इनके द्वारा सन् 2002 से अब तक विभिन्न समाचार–पत्रों में प्रकाशित लेखों का संग्रह है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में प्रसिद्ध हिंदी आलोचक, नामवर सिंह तथा समाचार–पत्र हिंदुस्तान के मुख्य संपादक, श्री शशि शेखर उपस्थित थे।

मेले में पूर्वोत्तर भारत की झलकियाँ

पुस्तक मेले में इस वर्ष थीम मंडप पर पूर्वोत्तर से संबंधित गतिविधियों की भरमार देखने को मिल रही है जिसके माध्यम से पुस्तक–प्रेमियों को पूर्वोत्तर भारत के सांस्कृतिक परिवेश से रूबरू कराया जा रहा है। आज यहाँ राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत द्वारा 'समन्वय परिचय' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर 'समन्वय–आईएससी भारतीय भाषा उत्सव' द्वारा 'इंसाइड आउट : लिविंग ऑन द ऐज ऑफ ए नेशन' विषय पर एक पैनल चर्चा आयोजित की गई जिसमें विमर्शकर्त्ताओं के रूप में पूर्वोत्तर की प्रसिद्ध साहित्यिक हस्ती, मित्रा फुकन; असमिया व अँग्रेजी भाषा के लेखक एवं अनुवादक, श्री अरुणी कश्यप तथा जेनिस पेरियर उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन प्रीति गिल द्वारा किया गया। एनबीटी के अध्यक्ष,

श्री ए. सेतुमाधवन ने कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए कहा, ''मुझे इस वर्ष मेले की थीम बहुत ही आकर्षक प्रतीत हो रही है क्योंकि यह क्षेत्र ऐसा है जिस पर ध्यान देने की आवश्यकता है। हमें पूर्वोत्तर की भाषाओं सहित उभरती अन्य भारतीय भाषाओं में क्या परिवर्तन हो रहे हैं इसे जानने की जरूरत है।'' उन्होंने यह भी कहा कि अनुवाद विचारों तथा साहित्य के आदान–प्रदान का एक मंच प्रदान करता है। इस अवसर पर इंडिया हैबीटैट सेंटर के निदेशक ने भी अपने विचार प्रस्तुत किए।

आज थीम मंडप पर नागालैंड की प्रमुख जनजाति, चैक सेंग की तेत्सिओ सिस्टर्स द्वारा चोकरी बोली में गीत प्रस्तुत किए। इन सिस्टर्स ने अपनी पारंपरिक पोशाकों में विभिन्न अवसरों पर गाये जाने वाले गीत श्रोताओं को सुनाए। इनके गीत–संगीत को सुनकर सभी श्रोता मंत्रमुग्ध हो गए। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय पुस्तक न्यास द्वारा आयोजित किया गया।

पुस्तक मेले में साहित्यिक हलचल

साहित्य मंच पर 'नवगीत' विषय पर चर्चा का आयोजन किया गया जिसका संचालन, ओमप्रकाश तिवारी द्वारा किया गया, यहाँ वर्तमान समय के नवगीतकार उपस्थित थे जिनमें राधे श्याम बंधु, सौरभ पांडेय, आचार्य संजीव वर्मा 'सलिल', डॉ. जगदीश व्योम तथा राकेश पांडेय शामिल हैं। कार्यक्रम में चर्चा की गई कि समाज का प्रतिबिंब है नवगीत। समाज में घट रही घटनाओं को समाहित कर गीतात्मक स्वरूप देना ही नवगीत है।

खेल–खेल में पढ़ाई

मेले में बने बाल मंडप पर बच्चे विभिन्न रोचक गतिविधियों के ज़रिये खेल–खेल में पढ़ाई कर रहे हैं। आज सुबह से इस मंडप पर स्कूली बच्चे पूरे उत्साह से सभी गतिविधियों में भाग लेते नज़र आए। आज यहाँ प्रथम बुक्स प्रकाशक द्वारा 'वन्य जीव संरक्षणकर्त्ता के साथ संवादात्मक सत्र आयोजित किया गया। इसका संचालन मनीषा चौधरी तथा हिमांशु गिरी द्वारा किया गया। यहाँ सरकारी विद्यालयों से आए अनेक बच्चों को वन्य जीवों के बारे में रोचक एवं ज्ञानवर्धक सूचनाएँ दी गई। यहाँ बच्चों को डिस्पले स्क्रीन पर वन्य जीवों की दयनीय स्थिति दिखाकर बताया गया कि किस प्रकार हम जीवों की सहायता कर सकते हैं। यह भी बताया कि किस प्रकार ये संस्था सरकार के साथ मिलकर वन्य जीवों पर हो रहे अत्याचार एवं शोषण रोकती है।

आज बाल मंडप पर डॉ. हरिकृष्ण देवसरे चिल्ड्रन्स लिटरेचर ट्रस्ट के सहयोग से एनबीटी द्वारा ''चलो बनाएँ एक कहानी'' नाम से संवादात्मक कहानी रचना सत्र आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में बच्चों ने कहानी के विषय सुझाए व स्वयं रचनात्मक कहानियों की रचना की।

आज विभिन्न गतिविधियों के क्रम में ''ए रीडिंग स्पेस फॉर कॉमन इंडिया : आईपीएलसी एंड बिऑन्ड'' विषय पर एक पैनल चर्चा आयोजित की गई जिसका आयोजन डिजिटल एम्पॉवरमेंट फाउंडेशन तथा डेलनेट के सहयोग से एनबीटी द्वारा किया गया। इस अवसर पर विमर्शकर्त्ता थे : कार्यकारी निदेशक, नेशनल बुक डेवलपमेंट काउंसिल ऑफ सिंगापुर, श्री आर. रमाचंद्रन, इंग्लिश साउथ एशिया ब्रिटिश काउंसिल के निदेशक क्रिस ब्रेडवुड; रीड इंडिया की कंट्री डायरेक्टर, डॉ. गीता मल्होत्रा; एनबीटी के निदेशक, डॉ. एम.ए. सिकंदर, डेलनेट के निदेशक, डॉ. एच. के. कौल; महानिदेशक, कोलकात्ता राष्ट्रीय पुस्तकालय, डॉ. पी. वाई. राजेन्द्र कुमार; सहायक आयुक्त, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, डॉ. रेनु पंत उपस्थित थे।

बाल मंडप पर एनबीटी द्वारा एक कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें प्रसिद्ध कार्टूनिस्ट आर.के. लक्ष्मण को श्रद्धांजलि दी गई। इस कार्यक्रम में विख्यात चित्रकार तथा प्रसिद्ध कॉर्टून पात्र डब्बू के निर्माता, श्री आबिद सुरती, वर्ल्ड कॉमिक्स इंडिया के श्री शरद शर्मा तथा तहलका पत्रिका के मुख्य कॉटूनिस्ट, श्री तन्मय त्यागी उपस्थित थे। इन्होंने लक्ष्मण जी के कार्य एवं जीवन पर प्रकाश डाला।

हॉल नं. 7–ए, इवेंट्स कॉर्नर

इवेंट्स कॉर्नर पर आज ईरान सांस्कृतिक केंद्र, नई दिल्ली द्वारा सीएसपीए, स्वयं सेवी संगठन के सहयोग से ईरानी कहानी पर आधारित बच्चों के लिए चित्रकार कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में ईरान से आए प्रसिद्ध चित्रकारों ने वहाँ उपस्थित बच्चों से विभिन्न मास्क बनवाकर प्रस्तुति करने के लिए कहा। बच्चों ने इस कार्यक्रम में पूरे जोश से भाग लिया। यहाँ उपस्थित चित्रकारों में शामिल थे– मज़ीद ज़ाकेरी, अमीर मफतून, जमाल्लुदीन अकरमी आदि। ईरानी चित्रकार अकरमी ने कहा सीएसपीए, स्वयं सेवी संगठन का प्रमुख कार्य 'शांति' का संदेश देना है तथा 'पशुओं की सेवा' करने से सबसे अधिक शांति मिलती है। इसलिए उन्होंने बच्चों को पशुओं की सेवा करने का संदेश दिया।